



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1383]
No. 1383]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 12, 2007/कार्तिक 21, 1929
NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 12, 2007/KARTIKA 21, 1929

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 2007

का.आ. 1904(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 2012(अ), तारीख 24 नवम्बर, 2006, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा तमिलनाडु राज्य में वेल्लोर जिले के वालाजाह तालुक में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 46 के 22/850 कि.मी. से 145/300 कि.मी. (कृष्णागिरि-रानीपेट सेक्शन) तक के भूखण्ड का निर्माण (चार लेन का बनाने) अनुरक्षण, प्रबन्ध और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और, उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उप-धारा (3) के अधीन तारीख 13 मई, 2007 को "दि हिन्दु" और "दिना थान्थी" दोनों में प्रकाशित किया गया था;

और, सक्षम प्राधिकारी को किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उप-धारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उप-धारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

अनुसूची

तमिलनाडु राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 46 के 22/850 कि.मी. से 145/300 कि.मी. (कृष्णागिरि-रानीपेट सेक्शन) के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण ।

क्रम संख्या	जिले का नाम	तालुक का नाम	गाँव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	भूस्वामी/हितबद्ध व्यक्तियों का नाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	वेल्लोर	वालाजाह	नन्दीयालम	65/2बी2ए	निजी	नम	800	अब्दुल जमील पुत्र अब्दुल रशीद
				430/118ए	निजी	मकान स्थल	51	गजेन्द्रन पुत्र अप्पा कुट्टी
				430/119ए	निजी	मकान स्थल	105	गणेशन पुत्र सामी नात्तर
				430/120	निजी	मकान स्थल	58	रानी पत्नी धनचेजीयन
				430/122ए	निजी	मकान स्थल	177	राजेन्द्रन पुत्र रामानुजम
				430/124ए	निजी	मकान स्थल	136	पुन्नुरंगम पुत्र पचईप्पन
				430/125ए	निजी	मकान स्थल	189	पोनन पुत्र पचईयप्पन
				430/127ए	निजी	मकान स्थल	104	शंकर पुत्र धनकोट्टी
				430/128ए	निजी	मकान स्थल	114	ऊषा पत्नी रथिनम्

[फा. सं. भारास्रा/18011/23-1/3ए/2000-पीआईयू-IV/110/एलए-56]

प्रभाकर, उप सचिव

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS
(Department of Road Transport and Highways)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th November, 2007

S.O. 1904(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping, Road Transport and Highways (Department of Road Transport and Highways), number S.O.2012(E), dated the 24th November, 2006, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) and issued under sub-section (1) of section 3A of the National Highways Act, 1956 (48 of 1956) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the land specified in the Schedule annexed to the said notification for building (four-laning), maintenance, management and operation of National Highway No.46 on the stretch of land from Km.22/850 to Km.145/300 (Krishnagiri – Ranipet Section) in Walajah Taluk, Vellore District in the State of Tamil Nadu;

And whereas the substance of the said notification has been published in "The Hindu" and "The Dina Thanthi", both dated the 13th May, 2007, under sub-section (3) of section 3A of the said Act;

And whereas no objection has been received from any person by the competent authority;

And whereas, in pursuance of sub-section (1) of section 3D of the said Act, the competent authority has submitted its report to the Central Government;

Now, therefore, upon receipt of the said report of the competent authority and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3D of the said Act, the Central Government hereby declares that the land specified in the said Schedule should be acquired for the aforesaid purpose;

And further, in pursuance of sub-section (2) of section 3D of the said Act, the Central Government hereby declares that on publication of this notification in the Official Gazette, the land specified in the said Schedule shall vest absolutely in the Central Government, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Brief description of the land to be acquired, with or without structure, falling within the stretch of land from Km.22/850 to Km.145/300 (Krishnagiri - Ranipet Section) on the National Highway No.46 in the State of Tamil Nadu.

Serial number	Name of the district	Name of the taluk	Name of the village	Survey number	Type of land	Nature of land	Area (in Square metres)	Name of the land owner/ Interested persons
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Vellore	Walajah	Nandi-yalam	65/2B2 A	Private	Wet	800	Abdul Jameel s/o Abdul Rashid
				430/118A	Private	House Site	51	Gajendiran s/o Appa Kutti
				430/119 A	Private	House Site	105	Ganesan s/o Sami Nattar
				430/120	Private	House Site	58	Rani w/o Dhanchezhian
				430/122A	Private	House Site	177	Rajendiran s/o Ramanujam
				430/124 A	Private	House Site	136	Poonnurangam s/o Pachaippan
				430/125 A	Private	House Site	189	Ponnan s/o Pachaiyappam
				430/127 A	Private	House Site	104	Sankar s/o Dhanakotti
				430/128 A	Private	House Site	114	Usha w/o Rathinam

[F. No. NHAI/18011/23-1/3A/2000-PIU-IV/110/LA-56]

PRABHAKAR, Dy. Secy.